**भारत सरकार**

**पर्यावरण एवं वन मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 35**

**05.12.2013 को उत्तर के लिए**

**'संपोषणीय विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) के उद्देश्य'**

**35. श्री रामचन्द्र खूंटिआ:**

 क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संपोषणीय विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) के क्या-क्या उद्देश्य हैं और भारतीय दृष्टिकोण से संभावित एस.डी.जी. क्या-क्या हो सकते हैं;

(ख) क्या 2015 से इतर, 2015 के बाद विकास एजेण्डा में संपोषणीय विकास लक्ष्यों और सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों के बीच संसृति की कोर्इ आवश्यकता है; और

(ग) इन मुद्दों पर भारत का क्या रुख है?

**उत्तर**

**पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्रीमती जयंती नटराजन)**

(क) से (ग) जून 2012 में आयोजित रियो+20 शिखर सम्‍मेलन में भारत सहित अनेक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । शिखर में यह निर्णय लिया गया था कि वैश्विक संपोषणीय विकास लक्ष्‍य (एसडीजी) विकसित करने के लिए अन्‍त: सरकारी प्रक्रिया शुरू की जाए । इस बात पर सहमति हुई कि संपोषणीय विकास लक्ष्‍य (एसडीजी) कार्रवाई उन्‍मुखी, संक्षिप्‍त और सूचित करने में आसान, संख्‍या में सीमित, आकांक्षी, वैश्वि‍क प्रकृति के और सर्वत्र अनुप्रयोज्‍य होंगे तथा इसमें विभिन्‍न राष्‍ट्रीय वास्‍तविकताओं, क्षमताओं और विकास के स्‍तरों को ध्‍यान में रखा जाएगा तथा राष्‍ट्रीय नीतियों एवं प्राथमिकताओं का सम्‍मान किया जाएगा । संयुक्‍त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा स्‍वीकार्य एसडीजी विकसित करने की दृष्टि से यूएनजीए द्वारा 22.01.2013 को एक मुक्‍त कार्य दल (ओडब्‍ल्‍यूजी) बनाया गया है । भारत, पाकिस्‍तान और श्रीलंका की तिकड़ी (ट्रोइका) के माध्‍यम से इस ओडब्‍ल्‍यूजी में भारत का प्रतिनिधित्‍व है । अब तक ओडब्‍ल्‍यूजी की पांच बैठकें आयोजित की गई हैं । ओडब्‍ल्‍यूजी द्वारा अब तक किसी एसडीजी की सिफारिश नहीं की गई है तथा यूएनजीए द्वारा भी कोई सिफारिश स्‍वीकार नहीं की गयी है । रियो+20 के निष्‍कर्ष दस्‍तावेज में एसडीजी को 2015 के बाद की विकास कार्यसूची से संगत और एकीकृत होने की आवश्‍यकता स्‍वीकार की गई है । निष्‍कर्ष दस्‍तावेज में यह भी उल्‍लेख किया गया है कि एसडीजी को मिलेनियम विकास लक्ष्‍यों की उपलब्धि पर ध्‍यान केन्द्रित करने से नहीं हटना चाहिए । भारत निष्‍कर्ष दस्‍तावेज में उल्लिखि‍त स्थिति से सहमत है ।

\*\*\*\*\*